राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने 'बाल अधिकार यात्रा' कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया

पटना, 16 नवम्बर 2018

''जैसे सबके अधिकार हैं वैसे ही बच्चों को भी शिक्षा का अधिकार प्राप्त है। आप सभी बच्चों को शिक्षित होना है, देश बदल रहा है और आज जो व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक कठिनाई बाधा नही है। शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में कई योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं।''–उपर्युक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने राजभवन के समीप राजेन्द्र बाबू के प्रतिमा–स्थल पर प्रभात खबर द्वारा आयोजित विश्व बाल दिवस के उपलक्ष में ''बाल अधिकार यात्रा'' कार्यक्रम को दीप–प्रज्ज्वलित करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री टंडन ने बच्चों से कहा कि शिक्षा का आकाश अनंत है, जहाँ तक जाना है जाएँ। देश और समाज की भी जवाबदेही है कि बच्चों को अच्छी से अच्छी शिक्षा उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि बच्चों का अधिकांश समय विद्यालय में बीतता है, इसलिए वहाँ का पर्यावरण स्वस्थ एवं स्वच्छ रहना चाहिए। आपसी सद्भाव, अनुशासन एवं गुरूजनों के प्रति सम्मान आदि गुणों को बच्चे आत्मसात करें तो उनका जीवन आगे चलकर काफी सुखी होगा और विकास के कई अवसर प्राप्त होंगे।

उन्होंने कहा कि बच्चे ज्ञान और परिश्रम से आगे चलकर समाज एवं देश के निर्माण में अच्छे नागरिक की भूमिका निभाएँ। शिक्षित बच्चे ही आगे चलकर विद्वान, वैज्ञानिक, डॉक्टर आदि बनते हैं। दुनिया में जितने तरह के आविष्कार हो रहे हैं, उसमें वे आगे चलकर भागीदार बनते हैं और अपने देश और समाज का मान बढ़ाते हैं जिससे खुशहाली और सम्पन्नता आती है। किताबी ज्ञानों के साथ–साथ, संस्कार की भी जरूरत पड़ती है। संस्कार का तात्पर्य है कि आप का भी समाज के प्रति कुछ कर्तव्य है। पहला कर्तव्य है कि आप अपनी शिक्षा को पूरी करें, लेकिन अपने जीवनशैली में स्वच्छता के प्रति बदलाव भी लायें। अपने परिवेश के आस–पास के वातावरण को स्वच्छ रखना आपका कर्तव्य है। हर व्यक्ति का कर्तव्य है कि वे अपने बच्चों को विद्यालय के बाहर भी प्रेरणा दें कि वे अच्छे नागरिक बन सकें।

राज्यपाल श्री टंडन ने कहा कि इस साल 2018 के 'विश्व बाल दिवस' का विषय है– ''कैसे स्कूलों को बच्चों के लिए सुरक्षित एवं खुशनुमा बनाया जाए।'' उन्होंने कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य सभी बच्चों के जीवन को बेहतर बनाना, उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना और उन्हें अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने का हक दिलाने में उनकी मदद करना है। कार्यक्रम को यूनिसेफ के बिहार चीफ श्री असदुर रहमान एवं 'प्रभात खबर' के स्टेट हेड श्री अजय कुमार ने भी संबोधित किया।

.....